व्यवसाय से बढ़कर हमारे मूल्य

गेल (इंडिया) लिमिटेड
भारत का यंगेस्ट महारत्न

सतत् विकास परिदृश्य

2016

सुदृढ़ पर्यावरण प्रणाली का संरक्षण

रूपरेखा

विज़न

वैश्विक फोकस के साथ प्राकृतिक गैस और इससे इतर एक अग्रणी कंपनी बनना, जो उपभोक्ता देखभाल, सभी शेयरधारकों के लिए मूल्य सृजन और पर्यावरण उत्तरदायित्व के लिए प्रतिबद्ध हो।

मिशन

राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के हित के लिए प्राकृतिक गैस और इसके अंशों के प्रभावी और किफ़ायती उपयोग में अधिकतम स्तर प्राप्त करना और इसमें तेज़ी लाना।

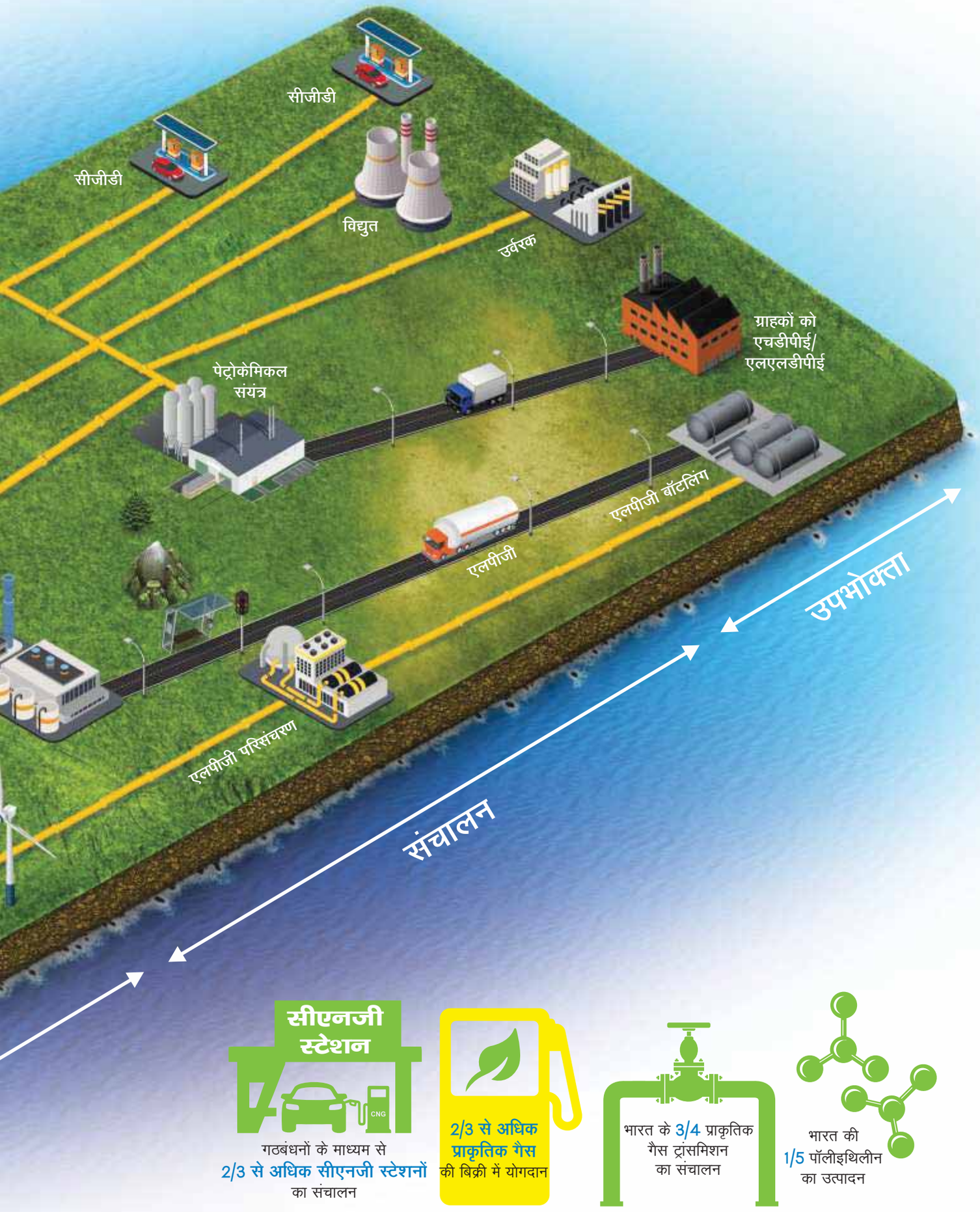

सीएनजी स्टेशन

गठबंधनों के माध्यम से
2/3 से अधिक सीएनजी स्टेशनों
का संचालन

2/3 से अधिक प्राकृतिक गैस
की बिक्री में योगदान

भारत के **3/4** प्राकृतिक
गैस ट्रांसमिशन
का संचालन

भारत की
1/5 पॉलीइथिलीन
का उत्पादन

अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक का संदेश

प्रिय शेयरधारको,

मुझे वित्त वर्ष 2015–16 के लिए गेल की सतत् विकास रिपोर्ट के छठे संस्करण को प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता हो रही है, जिसका शीर्षक ***'सुदृढ़ पर्यावरण प्रणाली का संरक्षण'*** है। सतत् विकास गेल के स्वभाव में है, जिसे हमारे विज़न और मिशन विवरणों के माध्यम से दर्शाया गया है। यह रिपोर्ट हमारी दूसरी जीआरआई जी4 रिपोर्ट है, जिसमें बाजार के उतार–चढ़ाव से बदलती परिस्थितियों के इस दौर में संगठन के समक्ष आने वाली चुनौतियों का सामना करते हुए आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय पहलुओं के क्षेत्र में हमारे प्रयासों को दर्शाया गया है। हमारा विश्वास है कि मुश्किल की इस घड़ी में भी गेल पर्यावरण प्रणाली का हिस्सा बनते हुए अपने शेयरधारकों के प्रति जवाबदेही के साथ सतत् और लचीले संगठन के रूप में आगे बढ़ना जारी रखेगा।

इस वर्ष ऊर्जा बाजारों में बदलती मांग और प्रचुर मात्रा में आपूर्ति के कारण मूल्यों में कमी आई। वैश्विक अर्थव्यवस्था में लगातार मंदी और औद्योगीकरण की धीमी गति के कारण विश्व में ऊर्जा उपभोग में उत्तरोत्तर कमी आ रही है जिसमें चीन के धीमे औद्योगीकरण का भी हाथ है। इसके परिणामस्वरूप, वैश्विक प्राथमिक ऊर्जा उपभोग में वर्ष 2015 में केवल 1.0% की वृद्धि हुई है। दुनिया भर में प्राकृतिक गैस के मूल्यों में कमी आई है। हेनरी हब में इसकी वर्ष 2014 के औसत की तुलना में 40% की कमी आई है। इन तथ्यों के अतिरिक्त, तेल की कीमत कम होने के इस दौर में उपभोक्ता पैटर्न में बदलाव, प्रतिस्पर्धी दरों पर नई हरित प्रौद्योगिकियों तथा हानिकारक उत्सर्जनों के बारे में लोगों की बढ़ती जागरूकता के कारण परम्परागत ईंधन आधारित कम्पनियों को अपनी भावी कार्यनीतियों पर विचार करना होगा।

> *गेल भारत सरकार द्वारा वर्ष 2047 तक एकीकृत ऊर्जा की रूपरेखा तैयार करने संबंधी प्रयासों में अग्रसक्रिय दृष्टिकोण अपना रहा है और इसने मिश्रित ऊर्जा में प्राकृतिक गैस के लक्षित हिस्से की सिफारिश की है।*

ऊर्जा क्षेत्र किसी देश के आर्थिक विकास के इंजन के रूप में कार्य करता है। भारत विश्व की सबसे तेज गति से उभरती अर्थव्यवस्था के रूप में उभर रहा है और इसकी ऊर्जा आवश्यकताएं बढ़ना स्वाभाविक है। बीपी सांख्यिकी 2016 के अनुसार, भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा उपभोग करने वाला देश बन गया है। गेल भारत सरकार द्वारा वर्ष 2047 तक एकीकृत ऊर्जा सुरक्षा की रूपरेखा तैयार करने संबंधी प्रयासों में अग्रसक्रिय दृष्टिकोण अपना रहा है और इसने मिश्रित ऊर्जा में प्राकृतिक गैस के लक्षित हिस्से की सिफारिश की है। हमें कोयले पर अपनी निर्भरता कम करने तथा बेस लोड और अधिकतम मांग की जरूरत पूरी करने के लिए प्राकृतिक गैस के साथ नवीकरणीय प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए विकसित अर्थव्यवस्थाओं के नक्शे–कदम पर चलना होगा। इसके अतिरिक्त, गेल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमताओं के सुदृढ़ीकरण तथा अन्य क्षेत्रों के साथ–साथ स्मार्ट सिटी की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप अवसरों की निरंतर तलाश कर रहा है।

व्यापक जलवायु कार्रवाई के प्रति बढ़ती चिंताओं को देखते हुए, सीओपी 21 पर पेरिस समझौते में भविष्य में कम कार्बन उत्सर्जन के वैश्विक राजनैतिक आशय को प्रकट किया गया है तथा कॉर्पोरेट क्षेत्र को एक स्पष्ट और सुगम संदेश दिया गया है। गेल को प्राकृतिक गैस–जो एक स्वच्छ जीवाश्म ईंधन है, का व्यवसाय करने के कारण, भारत के लक्षित राष्ट्रीय निर्धारित योगदान (आईएनडीसी) लक्ष्यों को प्राप्त करने तथा हमारी पर्यावरण प्रणाली के सतत् विकास का संरक्षण तथा इस परिवर्तन को साकार करते हुए प्राकृतिक गैस के समर्थन में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है। हमने जीएचजी उत्सर्जन, ऊर्जा, जल उपभोग और पुनर्चक्रण तथा सतत् विकास के प्रति जागरूकता पैदा करने के क्षेत्र में अपनी सतत् विकास महत्वाकांक्षा 2020 के माध्यम से सक्रिय तौर पर स्वैच्छिक लक्ष्य निर्धारित किए हैं। इन पहलुओं के संबंध में हमारे कार्य–निष्पादन को इस रिपोर्ट की सतत् विकास कार्यनीति खंड में दर्शाया गया है।

एक लचीले संगठन का निर्माण करने के अपने प्रयासों में, गेल ने 2015 में कच्चे तेल के मूल्यों में कमी की चुनौती का लगातार सामना किया। हमने अपने उपभोक्ताओं की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वैश्विक स्तर पर गैस दरों में कमी का सामना करने हेतु कतर स्थित रासगैस के साथ अपने सब अनुबंधों का पुनर्निर्धारण किया। इसके अतिरिक्त, हमने अपनी पाइपलाइन परिसंपत्तियों की बढ़ती उपयोगिता दर की चुनौती तथा नई संयंत्र सुविधाओं पर उत्पादन स्थिर करने पर ध्यान दिया। 11,000 किलोमीटर लंबे पाइपलाइन नेटवर्क के साथ, गेल ने देश भर में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने तथा उपभोक्ताओं तक पहुंच बनाने के लिए अपनी भावी परियोजनाओं के साथ राष्ट्रीय गैस ग्रिड को पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। हम अपनी खुदरा और व्यापार क्षमताओं को बढ़ाने के लिए भी निवेश कर रहे हैं ताकि नए उत्पादों और भौगोलिक क्षेत्रों तक और अधिक व्यापक और विविध सेवाएं प्रदान कर सकें। असम में अभी हाल ही में

प्रारंभ की गई ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलीमर लिमिटेड (बीसीपीएल) परियोजना के परिणामस्वरूप उत्तर–पूर्व में पहला पेट्रोकेमिकल परिसर स्थापित किया गया है, यह गेल के लिए एक चुनौतिपूर्ण कार्य था, जो प्राकृतिक गैस मूल्य श्रृंखला में जटिल परियोजनाओं की देखरेख करने की हमारी क्षमता को दर्शाता है। इसके अतिरिक्त, पाता पेट्रोकेमिकल संयंत्र की क्षमता को 810 केटीए तक बढ़ाकर दोगुना कर दिया गया है।

पेट्रोकेमिकल बाजार के मौजूदा उतार–चढ़ाव से दिशा प्राप्त करते हुए हमारा ध्यान उपभोक्ताओं को संतुष्ट रखने और देश में विश्व स्तरीय पॉलीमर उत्पादों के पसंदीदा आपूर्तिकर्ता के तौर पर अपनी स्थिति को बनाए रखना है। इसके अतिरिक्त, गेल अपने मौजूदा संसाधनों का अधिकतम उपयोग करने, प्रचालन और प्रक्रिया दक्षताओं में सुधार करने, लागत कम करने और लाभ को अधिकतम स्तर तक बढ़ाने के लिए 'संचय' (लाभ को उच्चतम सीमा तक ले जाने) परियोजना के अन्तर्गत सबसे निचले स्तर पर निरंतर ध्यान दे रहा है।

जबकि गतिशील बाह्य वातावरण में हो रहे बदलावों के प्रति हमें अग्रसक्रिय होना है, वहीं हमें अपनी आंतरिक प्रणालियों और प्रक्रियाओं, अर्थात् सभी स्तरों, लोगों, प्रक्रिया और संयंत्र को सुदृढ़ करने की भी आवश्यकता है। प्रचालनों और प्रक्रियाओं में सुरक्षा अत्यधिक महत्वपूर्ण है। अतीत की सीखों से हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि मानक प्रचालन प्रक्रियाओं का सक्रिय तौर पर अनुपालन किया जाए और इनके अनुपालन में कोई कोताही न बरती जाए। सुरक्षा के प्रति गेल की प्रतिबद्धता को व्यक्तिगत स्तर पर संस्कृति और व्यवहार का रूप प्रदान किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, हम एक सतत् विकास चार्टर का मसौदा भी तैयार कर रहे हैं, जिसमें मुख्य कार्य क्षेत्रों को रेखांकित करने के साथ ही गेल के भीतर सतत् विकास को मुख्यधारा में शामिल करने के आगे के तौर–तरीकों का भी वर्णन किया जा रहा है। इस चार्टर में मुख्यतः प्रबन्ध प्रणालियों में सुधार करने, विभिन्न कार्यों की सतत् विकास रूपरेखा तैयार करने तथा प्रभावी कार्यान्वयन के लिए सुझायी गई कार्य योजना को शामिल किया गया है।

गेल न केवल सुरक्षा में सुधार करने अपितु प्रक्रिया दक्षता को अधिकतम स्तर तक बढ़ाने और निचले स्तर तक में सुधार करने के लिए विभिन्न अध्ययनों और परियोजनाओं के माध्यम से अन्तर्राष्ट्रीय प्रक्रियाओं (एसओपी) के अनुरूप अपने संचालन मानकों और मानक संचालन प्रक्रियाओं को सुदृढ़ करने की प्रक्रिया को आगे बढ़ा रहा है। इस परिदृश्य का मुख्य उद्देश्य बाजार हिस्सेदारी का विस्तार करने के लिए आंतरिक–समूह सहयोग के माध्यम से उपभोक्ता केन्द्रित समाधान उपलब्ध करना है। इसके अतिरिक्त, गेल का उद्देश्य अपनी वाणिज्यिक शर्तों और प्रक्रियाओं की समीक्षा करते हुए कारोबार को आसान बनाने और पहलों के विस्तार तथा पसंदीदा आपूर्तिकर्ता की स्थिति को बनाए रखना है।

चूंकि, उत्पाद मूल्य में कमी, परिवहन टैरिफ में कमी, पाइपलाइन क्षमता की कम उपयोगिता तथा विदेशी मुद्रा उतार–चढ़ाव के कारण आंतरिक राजस्व में कमी आई है, इसलिए गेल के लिए सबसे महत्वपूर्ण शेयरधारक – सरकार के साथ संवाद जारी रखना, नकदी बढ़ाना और अपने नकदी प्रवाह में सुधार करना आवश्यक हो गया है। इसके अतिरिक्त, विनियामकों के साथ सतत् संवाद हमें पूर्व अनुमान लगाने, कारोबारी जोखिमों को न्यूनतम करने तथा विनियमों में किसी अचानक अथवा अभूतपूर्व परिवर्तनों के साथ बेहतर समायोजन में सहायता प्रदान करता है।

हमारा मानना है कि सुदृढ़ प्रणालियों और सतत् प्रयासों से तथा गेल के कर्मचारियों के कड़े परिश्रम की प्रतिबद्धता से हम मुश्किल की इस घड़ी में मजबूत संगठन के रूप में उभर कर सामने आएंगे। हमारी व्यक्तिगत भावना निरंतर परिवर्तनशील माहौल में गेल के उत्पादों और सेवाओं को प्रासंगिक एवं पसंदीदा बनाने के लिए सामूहिक ओर सहयोगात्मक कार्य पद्धति विकसित करने की होनी चाहिए। कर्मचारियों को कारोबार लक्ष्यों, कौशल संवर्धन के प्रति अधिक ध्यान देने तथा मौजूदा कारोबारी परिदृश्य में तैनात कर्मियों द्वारा सफल योजना बनाना बेहद जरूरी है। इसके अतिरिक्त, कारोबारी क्षेत्र में संचालन और संचार बाधाओं को तत्काल दूर करने से बाजार मे अग्रणी भूमिका बनाए रखने के लिए बिना रोक–टोक निर्णय लेने और कार्य पद्धति का तालमेल सुनिश्चित किया जा सकता है।

एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट नागरिक के तौर पर, हम हमारे सीएसआर सिद्धांत 'हृदय' के माध्यम से समुदायों सहित शेयरधारकों के लिए सकारात्मक मूल्य सृजन सुनिश्चित करते हैं। इस वर्ष खर्च किया गया सीएसआर व्यय ₹160.56 करोड़ था, जो पीएटी का 6.98% है। हमारी सीएसआर पहलें जैसे ग्रामीण विकास के लिए 'उन्नति', पोषण, स्वास्थ्य और पेयजल तथा स्वच्छता पर ध्यान देने के लिए 'आरोग्य', कौशल विकास और आजीविका अर्जन के लिए 'कौशल' तथा शिक्षा केन्द्रित

स्रोत : गेल की सतत् विकास रिपोर्ट वित्त वर्ष 15–16 से संदेश

> ***गेल को लगातार दूसरी बार सीडीपी के इंडिया लीडर्स 2015 क्लाइमेट डिस्क्लोज़र लीडरशिप इंडेक्स (सीडीएलआई) में स्थान दिया गया है तथा उपयोगिता वर्ग में सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों में प्रथम स्थान प्रदान किया गया है।***

पहलों के लिए 'उज्जवल' (सुनहरे भविष्य के लिए) कुछ ऐसे उदाहरण हैं, जो हमारे शेयरधारकों के लिए परिवेश विकसित करने की दिशा में उठाए गए कदम हैं। गेल को लगातार दूसरी बार सीडीपी के इंडिया लीडर्स 2015 क्लाइमेट डिस्क्लोजर लीडरशिप इंडेक्स (सीडीएलआई) में स्थान दिया गया है तथा उपयोगिता वर्ग में सरकारी क्षेत्रों के उपक्रमों में प्रथम स्थान प्रदान किया गया है। संयुक्त राष्ट्र वैश्विक नियमों पर हस्ताक्षर के तौर पर गेल मानवाधिकारों, श्रम मानकों, पर्यावरण एवं भ्रष्टाचार–रोधी उपायों के संबंध में यूएनजीसी के दस वैश्विक स्तर पर स्वीकृत सिद्धांतों के अनुरूप कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है।

हमारी प्रगति के पथ पर शेयरधारकों को शामिल करना तथा उनका विश्वास अर्जित करने के लिए श्रेष्ठतम सेवाएं प्रदान करना हमारा लक्ष्य रहा है। मैं इस अवसर पर अपने शेयरधारकों का उनके समर्थन के लिए धन्यवाद करता हूँ, जो हमारे सतत् विकास को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण होगा।

त्रिपाठी

बी. सी. त्रिपाठी
अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक
गेल (इंडिया) लिमिटेड

प्राकृतिक गैस – 21वीं सदी का ईंधन

स्वच्छ जीवाश्म ईंधन – ऊर्जा का एक अत्याधिक कुशल रूप

92% कुल ईंधन दक्षता

5 As उपलब्धता, पहुँच, **स्वीकार्यता,** वहनीयता और अनुकूलनशीलता

कोयले की तुलना में 50% कम CO_2 का उत्सर्जन

SO_x NO_x तेल और कोयले की तुलना में **कम:** (अम्लीय वर्षा का कारण) (धुंध सृजन) और पार्टिकुलेट तत्व का सृजन

उत्पादन, परिवहन, भण्डारण और उपयोग में **सुरक्षित**

कोयले की तुलना में गैस आधारित बिजली में बेहद **कम** जल खपत

स्रोत: *www.igu.org*

प्राकृतिक गैस: स्वच्छ ईंधन

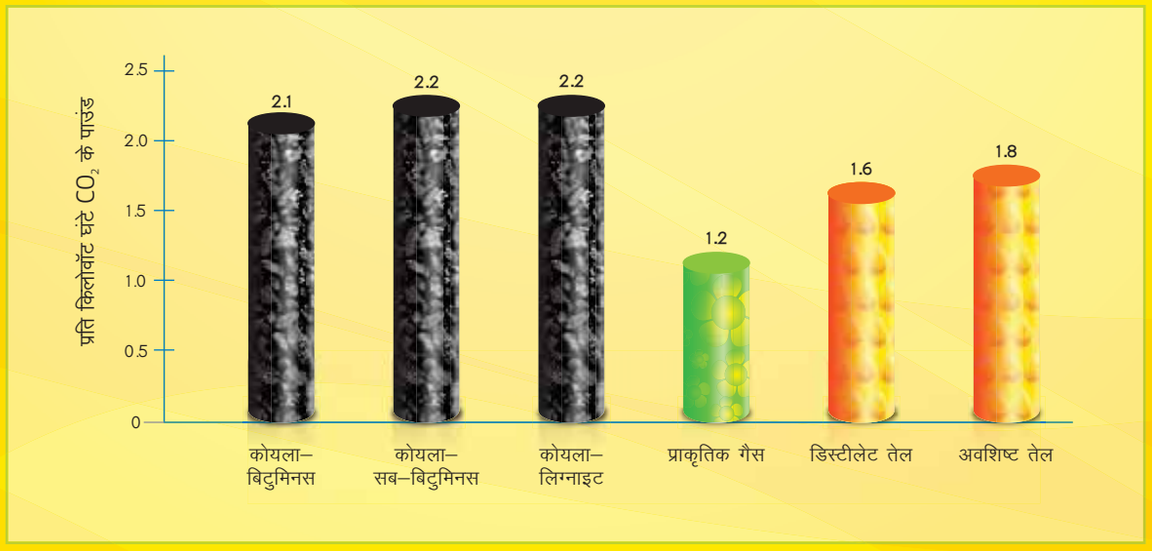

- प्राकृतिक गैस प्रति यूनिट बिजली का उत्पादन करने के लिए सभी जीवाश्म ईंधनों में सबसे कम CO_2 का उत्सर्जन करती है।
- कोयला आधारित से गैस–आधारित उत्पादन में मात्र 1% के अंतर से भारत में गैस की 8.5 एमएमएससीएमडी अतिरिक्त मांग का सृजन हो सकता है जिससे प्रति वर्ष 7.5 मिलियन टन CO_2 की कमी हो सकती है।

स्रोत: *यूएस एनर्जी इंफॉर्मेशन एड्मिनिस्ट्रेशन (ईआईए) – 14 जून, 2016*

प्राकृतिक गैस: एक हरित भविष्य का ईंधन

"राष्ट्र एक गैस आधारित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है और देश की एनर्जी बास्केट में गैस की हिस्सेदारी को वर्तमान की 6.5% से अधिक बढ़ाने के लिए कार्य किया जा रहा है। गैस उत्पादन बढ़ाने के लिए कदमों के अलावा ..... प्राकृतिक गैस के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए हाथ बढ़ाने में सभी स्टेकधारकों के प्रयासों की सराहना करते हुए, सरकार राष्ट्रव्यापी गैस ग्रिड को बढ़ावा दे रही है और गैस अवसंरचना की स्थापना कर रही है।"

धर्मेन्द्र प्रधान
माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) –
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

स्रोत: *www.pib.nic.in*

अवसर

अक्षय ऊर्जा की सीमाएं (विश्वस्नीयता, अनिश्चितता, भिन्नता, निम्न पीएलएफ, भूमि आवश्यकता, पूँजी लागत)

निम्न–कार्बन आपूर्तिकर्ताओं की मांग के बढ़ने की संभावना है क्योंकि संगठन अपनी आपूर्ति श्रृंखला में कार्बन उत्सर्जनों को कम करना चाहते हैं।

जलवायु वित्त–पोषण को बढ़ाकर निम्न–कार्बन ढाँचा बनाने के लिए नए अवसरों का सृजन करना जैसे हरित जलवायु वित्त–पोषण

नए अवसर–स्मार्ट सिटी, प्राकृतिक गैस ईंधन, भारी वाहनों, रेलवे, आदि के लिए एलएनजी

गैस क्षेत्र के विकास के लिए शीर्ष विद्युत नीति, गैस खरीद बाध्यताएं (जीपीओ), एलपीजी मुक्त क्षेत्र, हाइब्रिड पॉवर, आदि अपेक्षित है।

प्राकृतिक गैस: निम्न–कार्बन भविष्य के लिए ब्रिज ईंधन

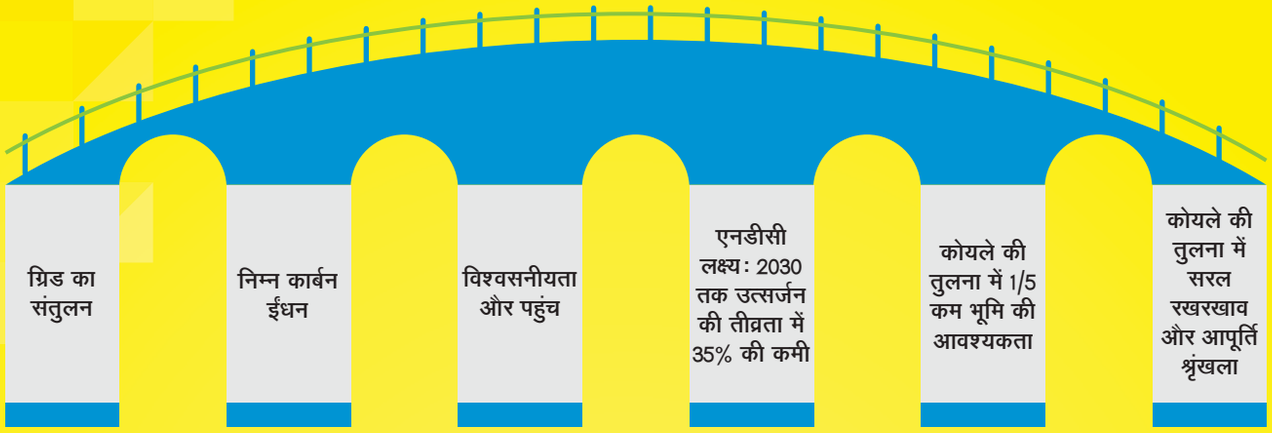

कोयला संचालित संयंत्रों की तुलना में गैस संचालित संयंत्रों से 1% विद्युत सृजन से वैश्विक CO_2 उत्सर्जन में कमी आ सकती है और अक्षय ऊर्जा क्षमता 11% तक बढ़ सकती है*

भारत में 14.3 जीडब्ल्यू स्ट्रेंडेड गैस–आधारित बिजली के पुनरुद्धार से ₹1 ट्रिलियन मूल्य का निवेश बच सकता है^

प्राकृतिक गैस आधारित अर्थव्यवस्था के माध्यम से उचित अखिल भारतीय विकास के लिए, ऊर्जा मिश्रण में प्राकृतिक गैस के लक्षित समावेश की आवश्यकता है। यह प्रभावी नीति के बढ़ावे से संभव हो पाएगा।

*आईसीएफ अध्ययन^ मार्च, 2015 में प्रकाशित मूडी की क्रेडिट आउटलुक रिपोर्ट पर आधारित

स्वच्छ ईंधन के अभिनव प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए हमारे प्रयास

गेल और ब्लूम एनर्जी ने 22 अगस्त, 2016 को, माननीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) की उपस्थिति में, बिजली उत्पादन के लिए अग्रणी प्राकृतिक गैस आधारित फ्यूल सेल टेक्नोलॉजी के उपयोग के आरंभ हेतु समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। प्राकृतिक गैस आधारित फ्यूल सेल 1% जल की खपत करते हैं जो कि पारंपरिक रूप से थर्मल संयंत्रों द्वारा खपत की जाती है।

श्री धर्मेन्द्र प्रधान, माननीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), ने 7 अप्रैल, 2016 को दिल्ली और एनसीआर में स्थित 36 नए सीएनजी स्टेशन जनता को समर्पित किए।

गेल द्वारा हाल में की गई पहलें: हवा बदलो और #Gas4India

'हवा बदलो' आंदोलन वायु प्रदूषण के खिलाफ एक जन–पहल है जो गेल और शहरी गैस वितरण कंपनियों द्वारा समर्थित है।

'Gas4India' प्रत्येक नागरिक को उसकी पसंद के ईंधन के रूप में प्राकृतिक गैस का इस्तेमाल करने के राष्ट्रीय, सामाजिक, आर्थिक और पारिस्थितिकीय लाभ को सूचित करने का एक एकीकृत क्रॉस कंट्री, मल्टी मीडिया, मल्टी–कार्यक्रम अभियान है। गैस उत्पादन बढ़ाने के लिए उपायों के अलावा, सरकार एक राष्ट्रव्यापी गैस ग्रिड और गैस अवसंरचना की स्थापना को प्रोत्साहन दे रही है।

भारत में पहली बार सीएनजी स्कूटर्स लॉन्च किए गए

भारत में पहली बार सीएनजी स्कूटर्स लॉन्च किए गए। गतिहीन उत्सर्जन परीक्षण के अनुसार, सीएनजी रेट्रोफिटेड दोपहिया वाहनों से, पेट्रोल चालित समान मॉडल की तुलना में, हाइड्रोकार्बन उत्सर्जन 75% तथा CO_2 उत्सर्जन 20% कम होता है।

माननीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेन्द्र प्रधान तथा पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री श्री प्रकाश जावड़ेकर ने नई दिल्ली में 23 जून, 2016 को कम्प्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) पर दोपहिया वाहन चलाने के लिए देश में इस तरह का पहला प्रायोगिक कार्यक्रम लॉन्च किया।

पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन

जलवायु परिवर्तन दृष्टिकोण हेतु टेरी के साथ साझेदारी

गेल ने एमओपीएनजी के शिष्टमण्डल के भाग के रूप में सीओपी21, पेरिस में जलवायु परिवर्तन से निपटने में अपना योगदान दिया है। इसके अलावा, गेल के कार्यकलापों को एमओपीएनजी, भारत सरकार के सीओपी21 के भाग के रूप में प्रकाशित किया गया है।

गेल@सीओपी21

- गेल, जलवायु परिवर्तन का सामना करने के लिए भारतीय तेल एवं गैस उद्योग द्वारा उठाए गए कदमों को उजागर करने हेतु, मुख्य ऊर्जा कंपनियों से जुड़ा है।
- जलवायु परिवर्तन पर **'कॉर्पोरेट दृष्टिकोण'** जारी करने के लिए टेरी के साथ साझेदारी की है।
- ऊर्जा दक्षता में सुधार लाने के लिए **'चैप्टर लीड'** बनने वाली एकमात्र तेल एवं गैस पीएसयू

हमारी हरित पहलें

लैंडफिल गैस प्राप्त करना

गेल ने एक प्रायोगिक परियोजना प्रारंभ की है जो यूएनएफसीसीसी से पंजीकृत है तथा इसका प्रयोजन गाजीपुर लैंडफिल से लैंडफिल गैस (एलएफजी) प्राप्त करने के लिए कार्बन क्रेडिट्स प्राप्त करना है। एलएफजी के संग्रहण और निष्कर्षण के लिए 20 एलएफजी कुओं का निर्माण किया गया है। वर्तमान में, प्राप्त होने वाली एलएफजी के एक भाग को आबद्ध फ्लेयर प्रणाली में सुरक्षित तौर पर नष्ट किया जा रहा है तथा इसके एक भाग का उपयोग माइक्रो–टर्बाइन के माध्यम से विद्युत उत्पादन के लिए किया जा रहा है। वित्त वर्ष 2015–16 में प्रायोगिक संयंत्र में 3000 मीट्रिक टन कार्बन डाई–ऑक्साइड के समकक्ष फ्यूजिटिव मीथेन उत्सर्जन को नष्ट किया गया है।

अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में नेतृत्व

गेल की रणनीति 2020 पहल के भाग के रूप में, कंपनी ने 2020 तक लक्षित 500 मेगावॉट पवन ऊर्जा क्षमता में से 118 मेगावॉट पवन ऊर्जा परियोजनाएं गुजरात, तमिलनाडु और कर्नाटक राज्यों में सफलतापूर्वक स्थापित की हैं। एमएनआरई एवं पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के बीच हस्ताक्षरित समझौता–ज्ञापन के अनुसार, गेल एसपीवी के स्टेकधारकों में है, जो ग्रिड से जुड़ी अक्षय ऊर्जा विद्युत परियोजनाओं की स्थापना कर रहा है। एसपीवी पांच वर्षों तक प्रत्येक वर्ष लगभग 1000 मेगावॉट पवन व सौर ग्रिड से जुड़ी अक्षय ऊर्जा विद्युत परियोजनाओं की स्थापना करेगा।

गेल में हरित भवन

ऊर्जा संरक्षण और पर्यावरण के प्रति जागरूक रहने के हमारे प्रयासों में, हमने सभी नई भवन परियोजनाओं में हरित भवन अवधारणा को अपनाया है। परिणामस्वरूप, गेल जुबली टॉवर ने आईजीबीसी द्वारा एलईईडी प्लेटिनम प्रमाण पत्र प्राप्त किया है तथा छांयसा यूनिट ने हरित भवन हेतु 4 स्टार गृह रेटिंग प्राप्त की है।

ग्रीन बेल्ट का विकास

प्रत्येक साइट पर क्षेत्र के कम से कम एक तिहाई भाग को ग्रीन बेल्ट के रूप में बनाए रखने के साथ, सभी गेल स्थानों पर व्यापक वनीकरण किया जाता है। अधिकांश कार्यक्रम अधिकारियों द्वारा पौधे लगाकर शुरू किए जाते हैं। ऐसा ही एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम "इच वन प्लांट वन" है। गेल के सम्पूर्ण भूमि अधिकार का कुल ग्रीन बेल्ट क्षेत्र 41% है।

वर्षा जल संचयन

वर्षा जल संचयन सुविधा की शुरूआत विजयपुर (दो परियोजनाओं) और गेल झाबुआ (कासरबाड़ी, मोहनकोट, दूधमल व देवगड़बरिया में स्थित परियोजनाओं) में की गई है। गेल विजयपुर ने दो सबस्टेशनों के लिए रुफटॉप वर्षा जल संचयन भी शुरू किया है।

वैश्विक मीथेन पहल के साथ साझेदारी

गेल ने अमेरिकी पर्यावरण संरक्षण एजेंसी (यूएस ईपीए) के साथ एक समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर करते हुए, इसे फ्यूजिटिव और वेंटिड मीथेन उत्सर्जन के संबंध में अध्ययन हेतु प्राकृतिक गैस एसटीएआर (स्टार) कार्यक्रम में भागीदार बनाया है। यूएस ईपीए द्वारा यह अध्ययन विजयपुर, हज़ीरा और झाबुआ कार्य–केन्द्रों के संबंध में किया गया है।

सतत् विकास यात्रा

गेल उत्तरदायित्व तथा पारदर्शिता के सिद्धांतों द्वारा निर्देशित है। 2011 में, हमने औपचारिक रूप से अपनी सतत् विकास यात्रा शुरू की। हमें विश्वास था कि हालांकि हम कुछ कदम पीछे थे, अत: शीर्ष प्रबंधन के गतिशील नेतृत्व के साथ सही दिशा में एक छोटा लेकिन रणनीतिक कदम उठाना भी जरूरी था।

सतत् विकास समिति

सतत् विकास संचालन समिति

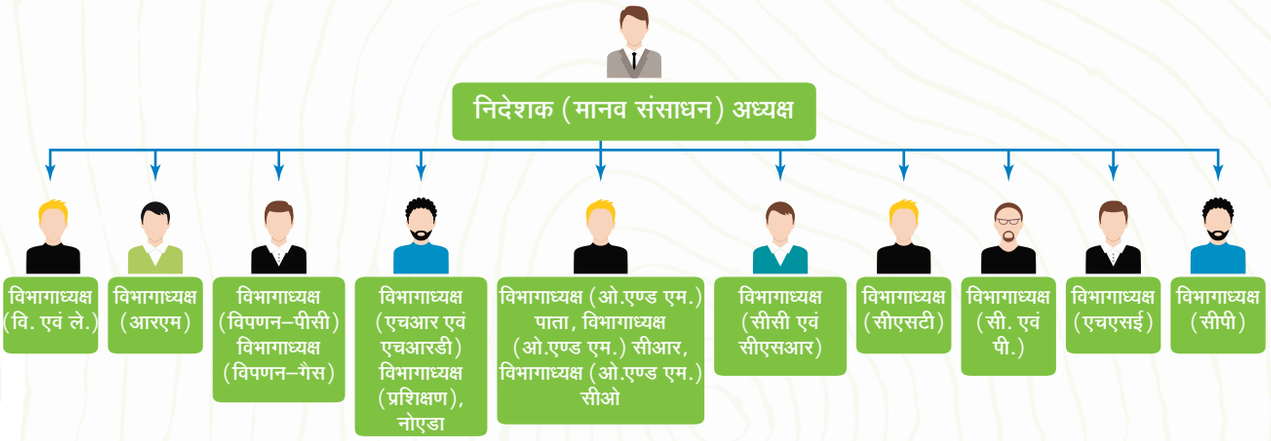

गेल ने, नियमित रूप से सतत् विकास पहलों और प्रदर्शन के निरीक्षण के लिए, **बोर्ड स्तर की स्थाई समिति, जिसमें सभी कार्यरत निदेशक सदस्य के रूप में सम्मिलित हैं,** की अग्रसक्रिय भागीदारी के माध्यम से अपने स्थायित्व मुद्दों को उठाया है।

चूंकि, स्थायित्व विभिन्न डोमेन से बनी अनिवार्य रूप से एक व्यापक अवधारणा है, जमीनी स्तर पर स्थायित्व गतिविधियों की तैयारी, निरीक्षण तथा कार्यान्वयन हेतु, विभागों के प्रमुखों को शामिल कर एक **संचालन समिति** का गठन किया गया।

इसके बाद, साइट स्तर पर प्रभावी ढंग से पहलों को लागू करने के लिए, हमारे पास कॉर्पोरेट स्तर पर प्रतिबद्ध **स्थायित्व टीम** के साथ **बहु–अनुशासनिक साइट–स्तरीय समिति** है।

एक कदम आगे बढ़ाते हुए, विश्लेषण के बाद सही दिशा में ठोस कदम उठाना भी महत्वपूर्ण हैं। गेल उन कुछ कंपनियों में से एक है जिसने **स्थायित्व आकांक्षाएं 2020** के माध्यम से स्वैच्छिक लक्ष्य निर्धारित किए हैं और सार्वजनिक क्षेत्र में पारदर्शी रूप से प्रकट किया है।

जीएचजी उत्सर्जन तीव्रता में कमी (स्कोप I एवं II)

लक्ष्य: 2010–11 के आधार से जीएचजी उत्सर्जन तीव्रता (कुल जीएचजी उत्सर्जन/कुल बिक्री) में **33% कमी**

ऊर्जा दक्षता

लक्ष्य: विशिष्ट ऊर्जा खपत (पेट्रोकेमिकल और द्रव हाइड्रोकार्बन खण्ड उत्पाद) में **5% कमी**

जल खपत और अपशिष्ट जल पुनर्चक्रित

लक्ष्य: 2010–11 के आधार से **जल खपत तीव्रता** (कुल जल खपत/कुल बिक्री) में **45% कमी** तथा अपशिष्ट जल उत्पादन के अपशिष्ट जल **पुनर्चक्रण में 5% वृद्धि**

सतत् विकास पर प्रशिक्षण/जागरूकता

लक्ष्य: हमारे 100% मौजूदा कर्मचारियों और सभी नए भर्ती कर्मचारियों को भर्ती के एक वर्ष के भीतर ही अवगत कराया जाता है।

वित्तीय वर्ष 15–16 हेतु गेल के लिए प्रमुख विषय

स्वास्थ्य एवं सुरक्षा: व्यावसायिक एचएंडएस, विक्रेता ऑन–साइट एचएंडएस, प्रक्रिया सुरक्षा, उत्पाद परिवहन सुरक्षा, आदि का समावेश

परिचालन उत्कृष्टता: गुणवत्ता प्रबंधन, परिसंपत्ति इंटेग्रिटी, उत्पादकता, ऊर्जा प्रबंधन, आदि का समावेश

स्टेकधारकों के साथ संचार और संबंध: ग्राहक संतुष्टि, बिलों का समय पर भुगतान, अनुबंध प्रबंधन, आदि शामिल

मानव पूँजी: प्रतिभा आकर्षण, तैनाती एवं प्रतिधारण, प्रशिक्षण एवं विकास, आदि जैसे पहलु शामिल

व्यवसाय विकास एवं लाभप्रदता: प्रतिस्पर्धी माहौल में लाभप्रदता सिद्ध करना और विकसित करना

आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन: आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन द्वारा व्यापार प्रदर्शन का ईष्टतम तरीका ढूंढना

नियामक मुद्दे: देश के कानून का पालन करना और व्यापारिक हितों की रक्षा करना

सामग्री विषय के विवरण गेल सतत् विकास रिपोर्ट वित्तीय वर्ष 15–16 में उपलब्ध हैं।

गेल द्वारा आयोजित सीडीपी जलवायु परिवर्तन प्रकटन कार्यशाला

श्री धर्मेन्द्र प्रधान, माननीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), Gas4India पहल और सीजीडी परामर्श के शुभारंभ अवसर पर

आर्थिक निष्पादन

गेल भारत की अग्रणी फ्लैगशिप एकीकृत ऊर्जा कंपनी है जिसमें 11,000 किलोमीटर से भी अधिक लंबे प्राकृतिक गैस नेटवर्क के साथ गेल पावर सेक्टर में पावर, उर्वरक, इस्पात, रिफाइनरी तथा घरेलू उपभोक्ता शामिल हैं। प्राकृतिक गैस के पारेषण, वितरण और संसाधन के अतिरिक्त, कंपनी के पेट्रोकेमिकल, एलपीजी पारेषण, शहरी गैस वितरण तथा अन्वेषण और उत्पादन कार्यकलापों में विविध कारोबारी हित हैं।

सृजित आर्थिक मूल्य

पैरामीटर (₹ करोड़ में)	वित्त वर्ष 12	वित्त वर्ष 13	वित्त वर्ष 14	वित्त वर्ष 15	वित्त वर्ष 16
राजस्व	41174.5	48357.2	58815.3	57855.5	52925.8
लाभ	4,444	4,374	4,786	3,160	2,299

वितरित आर्थिक मूल्य

पैरामीटर (₹ मिलियन में)	वित्त वर्ष 12	वित्त वर्ष 13	वित्त वर्ष 14	वित्त वर्ष 15	वित्त वर्ष 16
प्रचालन लागत	3,54,441	4,10,649	5,17,214	5,18,284	4,74,894
कर्मचारी पारिश्रमिक एवं लाभ	7,208	10,674	9,082	10,608	10,240

- **ब्रह्मपुत्र क्रेकर एवं पॉलीमर लिमिटेड (बीसीपीएल) पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स**

  माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्र को ब्रह्मपुत्र क्रेकर एवं पॉलीमर लिमिटेड (बीसीपीएल) पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स समर्पित किया। लगभग ₹10,000 करोड़ के निवेश के साथ स्थापित बीसीपीएल, प्रति वर्ष ₹676 करोड़ के 2,80,000 टन पॉलीमर उत्पादों का निर्माण करेगा। गेल की बीसीपीएल में 70% इक्विटी हिस्सेदारी है, जो कि 10% प्रत्येक के इक्विटी शेयर के साथ ऑयल इंडिया लिमिटेड (ओआईएल), नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड (एनआरएल) और असम सरकार की एक सहायक कंपनी है।

- **पाता, यूपी में गेल के पेट्रोकेमिकल संयंत्र का विस्तार (4,00,000 टीपीए से 8,10,000 टीपीए)**

  भारत सरकार की पहल 'मेक इन इंडिया' को साकार करने की दिशा में कदम बढ़ाते हुए, गेल (इंडिया) लिमिटेड ने प्रति वर्ष 4,00,000 टन पॉलीइथिलीन (पीई) के उत्पादन की क्षमता के साथ अपनी पहली यूएनआईपीओएलटीएम पीई प्रोसेस लाइन सफलतापूर्वक प्रारंभ की है। पाता, यूपी में गेल के पेट्रोकेमिकल संयंत्र की कुल उत्पादन क्षमता अब प्रति वर्ष 8,10,000 टन हो गई है। नई प्रोसेस लाइन गेल को अपनी पीई उत्पाद क्षमताएं बढ़ाने, उच्च गुणवत्ता के साथ भारतीय पीई कन्वर्टर्स प्रदान करने, घरेलू स्तर पर उत्पादित रेज़िन उत्पाद बढ़ाने हेतु मंच प्रदान करता है।

- **शहरी गैस वितरण (सीजीडी)– बेंगलुरू सीजीडी**

  गेल गैस लिमिटेड, गेल (इंडिया) लिमिटेड की एक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, देवास (मध्य प्रदेश), कोटा (राजस्थान), सोनीपत (हरियाणा), मेरठ (उत्तर प्रदेश), ताज ट्रेपेज़ियम क्षेत्र (उत्तर प्रदेश) और बेंगलुरू (कर्नाटक) में शहरी गैस वितरण परियोजनाओं को लागू कर रही है । 2015 में, बेंगलुरू सीजीडी हेतु गेल गैस लिमिटेड को पीएनजीआरबी द्वारा प्राधिकरण की स्वीकृति प्रदान की गई। अक्टूबर, 2016 तक, बेंगलुरू सीजीडी ने 20,015 ग्राहकों का पंजीकरण किया।

ऊर्जा गंगा (ऊर्जा राजमार्ग)

जगदीशपुर–हल्दिया–बोकारो–धामरा प्राकृतिक गैस पाइपलाइन (जेएचबीडीपीएल) को भारत सरकार के आगामी पांच वर्षों में प्राकृतिक गैस पाइपलाइन नेटवर्क को दोगुना करने संबंधी विजन के एक भाग के तौर पर राष्ट्रीय कार्य सूची में शामिल किया गया है। फूलपुर–हल्दिया प्राकृतिक गैस पाइपलाइन, जिसे पूर्वी भारत का "ऊर्जा राजमार्ग" ("ऊर्जा गंगा") भी कहा जाता है, माननीय प्रधानमंत्री की पूर्वी क्षेत्र के समग्र विकास और इसकी ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने की प्रतिबद्धता को पूरा करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। एंकर लोड उपभोक्ताओं जैसे गोरखपुर और बरौनी उर्वरक संयंत्रों तथा बरौनी रिफाइनरी की गैस आवश्यकताओं को पूरा करते हुए पाइपलाइन का प्रथम चरण वाराणसी और पटना जैसे शहरों में सीजीडी विकास के माध्यम से घरेलू आवश्यकताओं को भी पूरा करेगा।

भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 25 जुलाई, 2015 को पटना में तथा 24 अक्टूबर, 2016 को वाराणसी में 2619 किलोमीटर की जगदीशपुर–हल्दिया–बोकारो–धामरा प्राकृतिक गैस पाइपलाइन की विकास गतिविधियों का उद्घाटन किया।

ग्राहक संबन्ध प्रबन्धन

वर्ष 2015–16 के दौरान, ग्राहक मूल्य प्रबंधन प्रयोजन के लिए गेल के विभिन्न व्यावसायिक क्षेत्रों में 115 दौरे किए गए थे। हम 3 से 4 माह के अंतराल पर नियमित ग्राहक बैठकों का आयोजन करते हैं। ऐसी 30 बैठकों का आयोजन इस वर्ष किया गया। वित्तीय वर्ष 2015–16 के दौरान प्राकृतिक गैस, पेट्रोकेमिकल्स और एलएचसी व्यवसाय खण्डों में ग्राहक मूल्य प्रबंधन के लिए कुल 115 दौरे किए गए थे। इनमें से 75 उपभोक्ता दौरे टीक्यूएम विभाग द्वारा नियुक्त परामर्शदाताओं द्वारा किए गए तथा 40 उपभोक्ता दौरे गेल के कार्यकारी अधिकारियों द्वारा किए गए। गेल अपने संबंधित उपभोक्ताओं के लिए 3–4 माह में नियमित रूप से उपभोक्ता बैठकों का आयोजन करता है। बैठकों के दौरान, मामलों पर विचार विमर्श किया जाता है और उनका समाधान किया जाता है। इस वर्ष के दौरान देश भर में लगभग 30 उपभोक्ता बैठकों का आयोजन किया गया।

हम उपभोक्ताओं के फीडबैक को महत्व देते हैं क्योंकि यह उत्पादों और सेवाओं में निरंतर सुधार लाने में हमारी मदद करता है। वित्तीय वर्ष 2015–16 के दौरान कुल सीएसआई 90.31% था जबकि लक्ष्य 89% का था।

एपीपीएस–एनजी एवं एलपीजी पाइपलाइनों की निगरानी के लिए एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर

गेल ने एक पाइपलाइन इंटेग्रिटी प्रबंधन प्रणाली विकसित की है।

गेल चरणबद्ध तरीके से एनजी और एलपीजी पाइपलाइनों की निगरानी हेतु एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर (एपीपीएस) का कार्यान्वयन प्रारंभ कर रहा है। एपीपीएस प्रणाली विभिन्न कार्य और मॉड्यूल्स जैसे रीयल टाइम मॉडलिंग, लीक डिटेक्शन प्रणाली, सम्पत्ति–सूची विश्लेषण/लाइन पैक गणना, एक सामान्य डाटाबेस में सभी पाइपलाइनों के लिए भावी मॉडलिंग प्रदान करती है।

तेल और गैस संरक्षण पखवाड़ा–2016 के दौरान गेल कर्मचारियों की भागीदारी

गेल को पर्यावरण स्थिरता की श्रेणी में ''कंपनी ऑफ दि ईयर'' पेट्रोफेड पुरस्कार से सम्मानित किया गया

हमारा सामाजिक निष्पादन

गेल की सफलता का क्षेत्र मुख्य तौर पर एक सुदृढ़ कंपनी संस्कृति निर्मित करने पर आधारित है जिसकी अगुवाई एक ऐसा गुणवत्तापरक कार्यबल करता है जो सहयोग और नवाचार में विश्वास रखता है। भारत के आर्थिक विकास में तेल और प्राकृतिक गैस (ओएंडएनजी) क्षेत्र के महत्व को ध्यान में रखते हुए भारत की विकास की गाथा के संदर्भ में एक ऊर्जावान और अभिप्रेरित ओ एंड एनजी कार्यबल अत्यधिक महत्वपूर्ण है। इस परिदृश्य में गेल के सभी कार्यकलापों में एक सक्षम कार्यबल को आकर्षित करना और इसे बनाए रखना अत्यधिक आवश्यक हो जाता है। हमारी सुदृढ़ मानव संसाधन नीतियाँ और कई मानव संसाधन पहलें कर्मचारी संतुष्टि में सक्षम हैं, परिणामस्वरूप हमारी कर्मचारी प्रतिधारण दर उच्च है।

प्रशिक्षण एवं विकास

प्रशिक्षण एवं विकास कॉर्पोरेट अभिशासन का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है तथा यह कर्मचारियों की क्षमता निर्माण के लिए अनिवार्य है। कम्पनी प्रभावी प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए व्यापक स्तर पर समय और संसाधनों का निदेश करती है। गेल में मौजूदा और नए कारोबारी कार्यों जैसे ईएंडपी कार्यकलाप तथा अन्य के साथ–साथ हेजिंग और शिपिंग में कर्मचारियों के कौशल सेट्स को सुदृढ़ करने के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल्स की अभिकल्पना की जाती है। कर्मचारियों को क्रॉस–कार्यात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में अन्य कार्यात्मक क्षेत्रों के मूलभूत तत्वों को सीखने का अवसर प्रदान किया जाता है।

गेल ने अपने पूर्णकालिक कर्मचारियों के लिए तकनीकी, व्यावहारिक, कारोबारी रणनीति, सुरक्षा और पर्यावरण, इत्यादि के संबंध में कुल 278 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया। तद्नुसार, प्रति कर्मचारी 4.69 कार्य–दिवस (औसतन) प्रदान किए गए। वित्त वर्ष 2015–16 के लिए प्रशिक्षण व्यय ₹10.25 करोड़ है।

वित्त वर्ष 2015–16 के दौरान सुरक्षा और कौशल विकास प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले कर्मचारी

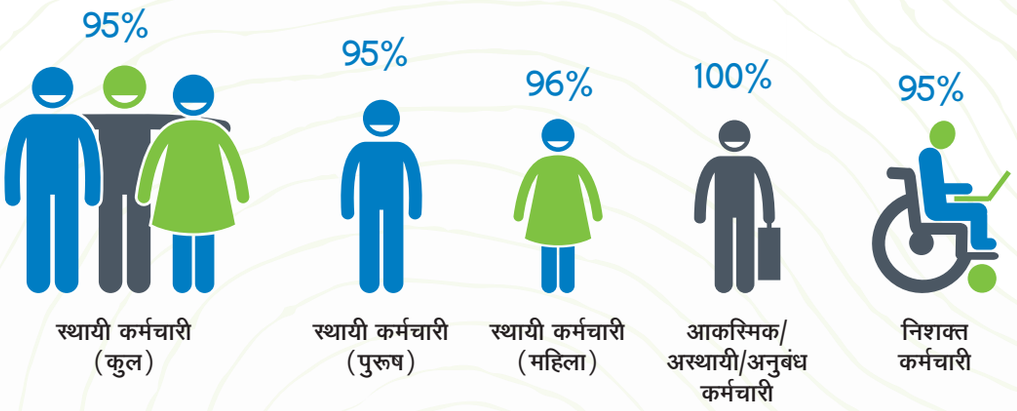

एमएसई से खरीद पर व्यय

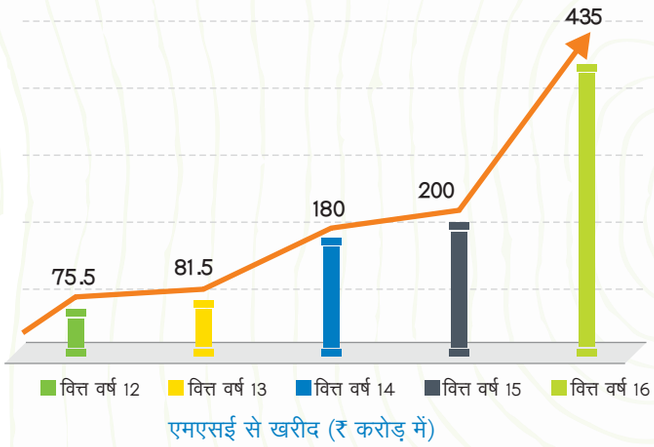

एमएसई से खरीद (₹ करोड़ में)

गेल ऐसे ठेकेदारों और आपूर्तिकर्ताओं के साथ कार्य करने के लिए प्रयासरत है जो सतत् विकास में योगदान करते हैं और आर्थिक, पर्यावरणीय तथा सामाजिक तौर पर जवाबदेह हैं।

वित्तीय वर्ष 2015–16 के दौरान, वार्षिक खरीद के कुल योग्य मूल्य में लगभग 21.59% खरीद एमएसई (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति उद्यमियों के स्वामित्व वाले एमएसई सहित) से की गई।

स्वास्थ्य एवं सुरक्षा

बेहतर स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण (एचएसई) सिस्टम की एक संगठनात्मक संस्कृति प्राप्त करने की हमारी स्वास्थ्य और सुरक्षा दृष्टि हमारी कॉर्पोरेट एचएसई नीति द्वारा नियंत्रित की जाती है। प्रत्येक वर्ष गेल की 'शून्य घटनाएं' की महत्वाकांक्षा को बोर्ड की व्यावसायिक स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरणीय पहलुओं के प्रति प्रतिबद्धता से और मजबूत किया जाता है। बोर्ड की सतत् विकास समिति गेल के एचएसई कार्य–निष्पादन की समीक्षा करती है। इस समिति की अध्यक्षता एक स्वतंत्र निदेशक द्वारा की जाती है तथा सभी कार्यात्मक निदेशक इसके सदस्य होते हैं। निदेशक (एच आर) तथा निदेशक (परियोजना) द्वारा एक मासिक सुरक्षा समीक्षा की जाती है।

मानवाधिकारों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को इस तथ्य से मापा जा सकता है कि हम ऊर्जा क्षेत्र की कुछ भारतीय कंपनियों में से एक है, जिन्होंने एसए8000, बेहतर कार्य स्थल के लिए अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त लेखा–परीक्षा योग्य सामाजिक प्रमाणन को लागू किया है। एसए8000 को गेल हज़ीरा में लागू किया गया था और यह मानवाधिकारों संबंधी संयुक्त राष्ट्र घोषणा (यूएनएचआर), आईएलओ अधिवेशन, यूएन और राष्ट्रीय कानून पर आधारित है।

व्यवहार आधारित सुरक्षा (बीबीएस)

योजना, डिज़ाइनिंग, निर्माण, कमीशनिंग, प्रचालन और अनुरक्षण सहित परियोजना के सभी स्तरों में बीबीएस संस्कृति शामिल करने से सभी मौजूदा स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रक्रियाओं में दक्षता बढ़ाने में सहायता मिलेगी। संयंत्र स्तर पर बीबीएस के कार्यान्वयन हेतु स्थल संचालन और कार्यात्मक समितियों का गठन किया गया। प्रत्येक स्थल पर अग्रिम प्रशिक्षकों की तैनाती की गई ताकि कर्मचारियों को बीबीएस की पद्धतियों और कमियों की जानकारी प्रदान की जा सके।

सुरक्षा नेतृत्व

आपदा एवं संकट प्रबंधन

- मौजूदा आपदा प्रबंधन प्रणाली एवं आपातकालीन प्रत्युत्तर तथा आपदा प्रबंधन योजना (ईआरडीएमपी) की समीक्षा
- सभी संबंधित समूहों से तीव्र और सटीक संपर्क सुनिश्चित करने के लिए संकट प्रबंधन प्रणालियों की समीक्षा और आवधिक नवीनीकरण

केन्द्रीकृत पाइपलाइन समेकन प्रबंध प्रणाली (सीपीआईएमएस)

- अखिल भारतीय स्तर पर पाइपलाइनों के समेकन की केन्द्रीकृत मॉनीटरिंग हेतु एक केन्द्रीकृत समेकन मॉनीटरिंग समूह (सीआईएमजी)
- सीपीआईएमएस–एक व्यापक जोखिम आधारित विश्लेषणात्मक सॉफ्टवेयर और आईटी सक्षम सिस्टम सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन

सैटेलाइट पाइपलाइन निगरानी

- 610 किमी डीवीपीएल–2 पाइपलाइन के लिए गेल का इसरो सैटेलाइट निगरानी के साथ सहयोग
- 'भुवन–गेल' पोर्टल, एक अभिनव निगरानी भू–पोर्टल, पाइपलाइन आरओयू की रिमोट मॉनीटरिंग के लिए शुरू किया गया है।

गैस पाइपलाइन टोल फ्री नंबर – 15101

- घटना की रिपोर्टिंग के लिए 5 अंकों के टोल फ्री नंबर (15101) का प्रावधान किया गया है ताकि याद रखने तथा डायल करने में सुलभता हो।
- डायल की गई कॉल्स, संबंधित क्षेत्रीय गैस प्रबंधन केन्द्र (आरजीएमसी) या राष्ट्रीय गैस प्रबंधन केन्द्र (एनजीएमसी) द्वारा संबोधित की जाती हैं।

पाइपलाइन सुरक्षा

- गेल ने पाइपलाइन क्षेत्रों के सर्वेक्षण के लिए कई उपायों को लागू किया है और पाइपलाइन इंटेग्रिटी के महत्व के बारे में नियमित रूप से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने हेतु, अक्सर स्थानीय गांवों के साथ जुड़ा रहा है।
- स्थानीय सार्वजनिक निकायों के माध्यम से गांवों में सुरक्षा के संबंध में 'क्या करें' और 'क्या न करें' के लिए स्थानीय भाषा में मुद्रित पर्चे वितरित किए जाते हैं।

गेल और स्वच्छ भारत अभियान

स्वच्छ भारत

स्वच्छ विद्यालय

3,614 शौचालय निर्मित

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की स्वच्छता सुविधाएं उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता को पूरा करने के उद्देश्य से, गेल ने दो राज्यों के 13 जिलों के स्कूलों में 3,614 शौचालयों का निर्माण किया है और पुराना किला और सफदरजंग मकबरे पर स्वच्छता बनाए रखने की जिम्मेदारी ली है। इसके अलावा, गेल ने हरिद्वार और उज्जैन प्रत्येक में 10 टीपीडी क्षमता वाले 'अपशिष्ट प्लास्टिक से ईंधन तेल' के दो संयंत्रों की स्थापना को अनुमोदित किया है।

समुदाय के साथ संबंध

गेल की उसके आसपास के समुदायों के साथ बातचीत उसकी सीएसआर नीति द्वारा संचालित होती है। आवश्यकता आकलन, डेटा और समुदाय बातचीत के माध्यम से जानकारी के आधार पर, गतिविधियों की योजना बनाई और लागू की जाती हैं। सीएसआर कार्यकलापों को पंजीकृत न्यासों, सोसायटियों, स्वायत्त निकायों, सरकारी विभागों, एनजीओ, आदि के जरिए चलाया जाता है। गेल कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची–VII में परिभाषित क्षेत्रों में सीएसआर परियोजनाएं चलाता है, जिसमें गेल की सीएसआर नीति के चयनित सात क्षेत्रों में ध्यान केन्द्रित किया जाता है जो कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135 के अनुरूप है। वित्त वर्ष 2015–16 में खर्च किया गया कुल सीएसआर व्यय ₹160.56 करोड़ था जो ₹2299 करोड़ के पीएटी का 6.98% था। ₹160.56 करोड़ में से ₹118.64 करोड़, विशेषकर वित्त वर्ष 15–16 के लिए सीएसआर परियोजनाओं हेतु अनुमोदित किए गए थे। शेष राशि पिछले वित्तीय वर्षों से आगे बढ़ाई गई है।

हमारा सीएसआर छत्र

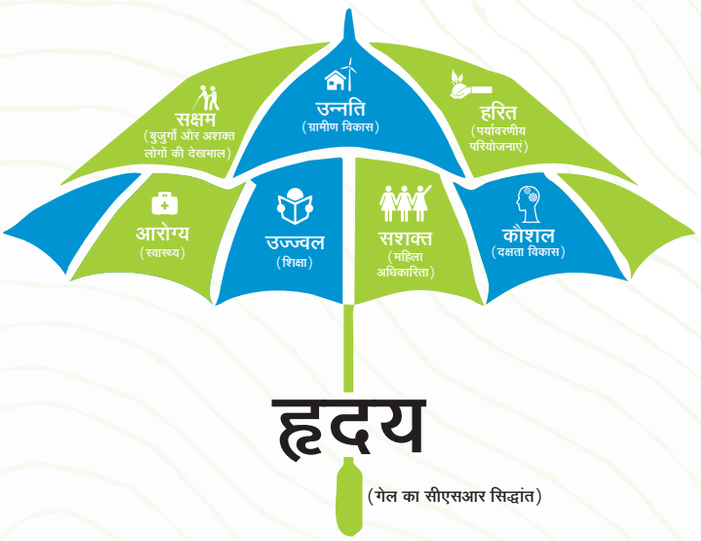

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की स्वच्छता सुविधाएं उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता को पूरा करने के उद्देश्य से गेल ने 'स्वच्छ भारत, स्वच्छ विद्यालय' के अंतर्गत 3,614 शौचालयों का निर्माण किया है।

हमारा उद्देश्य वर्तमान परिदृश्य में इस क्षेत्र के बाजार आयामों पर विचार करते हुए हमारी आंतरिक सक्षमताओं में सौहार्दपूर्ण सामंजस्य स्थापित करना है। हमारे निर्धारित कारोबारी लक्ष्यों और उद्देश्यों की तरफ आगे बढ़ने के हमारे लक्ष्य के साथ गेल में हमारा विश्वास व्यक्तिगत और सांगठनिक दोनों ही स्तरों पर स्वयं में सतत् सुधार करने, उद्योग में होने वाले बदलावों के अनुकूल स्वयं को ढालने में है, चाहे यह विनियामक परिवेश अथवा कारोबारी क्षेत्र की नई मांगों के संबंध में हो। इस प्रकार, गेल वर्तमान समय तथा भविष्य की चुनौतियों का समन्वय करने के उद्देश्य के साथ मानव पूँजी प्रशिक्षण और विकास को अत्यधिक महत्व प्रदान करता है।

–निदेशक (एचआर)

हम प्रतिदिन स्वयं के लिए अवरोध खड़ा करने में विश्वास करते हैं। जिस प्रकार हम कार्य करते हैं उसमें काइज़ेन का यह दर्शन कि – दक्षता और गुणवत्ता में सुधार के लिए दीर्घकालिक सुव्यवस्थित दृष्टिकोण अपनाया जाना चाहिए, निहित है। गेल में प्रचालन उत्कृष्टता लोगों, कार्य–निष्पादन और प्रक्रिया रूपी तीन स्तम्भों पर आधारित है। परियोजना स्थलों पर प्रक्रियाओं में सतत् सुधार और बढ़ी हुई दक्षता पर ध्यान केन्द्रित करके गेल ने विनियामक और आर्थिक परिवेश द्वारा आरोपित की गई चुनौतियों का सामना करने की योजना बनाई है। सीओपी21, एसडीजी के साथ वैश्विक जलवायु परिवर्तन समझौते पर अधिक बल दिए जाने के साथ ही गेल को अब भारत की बढ़ती हुई जनसंख्या को ऊर्जा सुरक्षा तथा स्वच्छ विकल्प प्रदान करते हुए उत्सर्जन नियंत्रण, दक्षता सुधार तथा हमारे प्रचालनों के सतत् विकास के अवसरों पर कार्य करने की चुनौतियों का समाधान करना चाहिए। हमारा मानना है कि हमारे प्रयास परिवर्तन लाने में सफल होंगे और हम अपनी प्रणालियों, प्रक्रिया–विधियों, प्रक्रियाओं, नीतियों और कार्यनीतियों में उत्कृष्टता लाने के लिए प्रयासरत हैं।

– निदेशक (परियोजना)

बाह्य तेल और गैस बाजार, वैश्विक और घरेलू दोनों स्तरों पर, के आयामों में बदलावों के परिणामस्वरूप गेल की लाभ की स्थितियों में व्यापक बदलाव हुआ है। पेट्रोकेमिकल्स और द्रव हाइड्रोकार्बन की कम मूल्य वसूली, मुख्य परिसम्पत्तियों के पूंजीकरण के कारण लागत में कमी और उच्च ब्याज से वित्त वर्ष 2015–16 में लाभ की स्थिति पर दबाव कायम रहा। वर्ष के दौरान भारत सरकार द्वारा प्रगतिशील नीतियों और उपचारात्मक कार्यों तथा गेल के सभी कारोबारी खंडों में लाभ की स्थिति में सुधार के लिए संचय परियोजना के अन्तर्गत गेल द्वारा सक्रिय तौर पर कार्यान्वित पहलों के कारण काफी हद तक प्रभाव में कमी लाने में सहायता मिली है।

– निदेशक (वित्त)

पर्यावरणीय निष्पादन रूपरेखा

हमारी ऊर्जा खपत (मिलियन जीजे)					
	वित्त वर्ष 11–12	वित्त वर्ष 12–13	वित्त वर्ष 13–14	वित्त वर्ष 14–15	वित्त वर्ष 15–16
कुल प्रत्यक्ष ऊर्जा खपत	39.01	37.36	35.86	35.09	37.90
कुल अप्रत्यक्ष ऊर्जा खपत	1.17	1.12	1.13	1.23	1.85
उत्सर्जन (टीसीओ$_2$ईक्यू)					
	2011–12	2012–13	2013–14	2014–15	2015–16
स्कोप 1 उत्सर्जन	2,363,624	2,381,898	2,285,196	2,252,649	2,549,023
स्कोप 2 उत्सर्जन	256,278	256,781	258,538	280,981	420,835
कुल जीएचजी उत्सर्जन	2,619,902	2,638,679	2,543,735	2,533,629	2,969,858
जल (मिलियन एम3)					
	2011–12	2012–13	2013–14	2014–15	2015–16
कुल जल खपत	14.1	13.9	12.9	14.3	17.01
कुल उत्पादित अपशिष्ट जल	2.3	2.4	2	1.7	1.6
कुल डिस्चार्ज अपशिष्ट जल	1.3	1.2	1.2	1.1	1.01
पुनर्चक्रित / पुनः उपयोग जल	0.9	1.1	0.8	0.6	0.55
ऊर्जा बचत (जीजे)					
	2011–12	2012–13	2013–14	2014–15	2015–16
कुल ऊर्जा बचत	1,174,650	1,52,061	55,967	575,362	42,987
अक्षय ऊर्जा उत्पादन (जीजे)					
	2011–12	2012–13	2013–14	2014–15	2015–16
पवन ऊर्जा	43,414	545,124	464,398	404,929	571,230
सौर ऊर्जा	75	3,262	34,621	31,553	34,790
कुल अक्षय ऊर्जा	43,489	548,386	499,018	436,481	606,020

कार्य–निष्पादन पर टिप्पणी

- हमारे दो सबसे बड़े संयंत्रों अर्थात पाता पेट्रोकेमिकल संयंत्र (विस्तार के बाद क्षमता दोगुनी की गई) और विजयपुर गैस प्रोसेसिंग यूनिट का व्यापक विस्तार किया गया। पाता और विजयपुर में नए संयंत्रों की स्थापना और स्थिरीकरण से अतिरिक्त फ्लेयरिंग और वेंटिंग हुई। इसके अतिरिक्त, वेंट की गई प्रकृतिक गैस में मिथेन का प्रतिशत अधिक था।
- आईपीसीसी दिशा–निर्देशों के अनुसार मिथेन की ग्लोबल वॉर्मिंग संभावना में 21 से 25 प्रतिशत का बदलाव हुआ।
- सांविधिक अपेक्षा के कारण गंधार स्थित गेल के एलपीजी भंडारण हार्टन स्फेयर का निरीक्षण किया गया। वेपर रिकवरी कम्प्रेसर के माध्यम से ईष्टतम रिकवरी के बाद भी, तलहटी में शेष एलपीजी को जलाया गया। इससे जीएचजी उत्सर्जन में अतिरिक्त वृद्धि हुई।

हमारे भागीदार

GRI GOLD Community 2016
GAIL (India) Limited

हम एक पंजीकृत (संगठनात्मक शेयरधारक) वैश्विक रिपोर्टिंग पहल (जीआरआई) गोल्ड सामुदायिक के सदस्य हैं और वैश्विक, बहु–शेयरधारक प्रक्रिया के माध्यम से विश्व स्तर पर स्वीकृत स्थिर रिपोर्टिंग दिशा–निर्देशों का विकास करने के लिए जीआरआई के मिशन का समर्थन करते हैं।

CDP CLIMATE DISCLOSURE LEADER 2015

गेल को सीडीपी के इंडिया लीडर्स 2015 जलवायु प्रकटन नेतृत्व सूची (सीडीएलआई) में शामिल किया गया है।

FICCI

फिक्की पर्यावरण समिति में एक प्रतिनिधि के रूप में, गेल पर्यावरण से संबंधित नीति के मुद्दों पर उद्योगजगत के विचारों का संचालन करने का लक्ष्य रखता है।

INDIA GHG PROGRAM

गेल, इंडिया जीएचजी प्रोग्राम का एक संस्थापक सदस्य है जो भारतीय कंपनियों को, डब्ल्यूबीसीएसडी और डब्ल्यूआरआई के जीएचजी प्रोटोकॉल से उपकरणों व प्रक्रियाओं का उपयोग कर जीएचजी उत्सर्जन के मापन तथा प्रबंधन की दिशा में, प्रगति मॉनीटर करने में सहायता प्रदान करने का लक्ष्य रखता है।

teri

हम व्यापार स्थायित्व के लिए टेरी परिषद के सक्रिय सदस्य हैं। गेल ऊर्जा और जलवायु परिवर्तन के क्षेत्रों में टेरी का साझेदार है।

आप अपने प्रश्न निम्नलिखित को भेज सकते हैं

डॉ. नरेन्द्र कुमार
कार्यकारी निदेशक (निगमित योजना और कॉर्पोरेट कार्य)
nkumar@gail.co.in

श्री शांतनु रॉय
महाप्रबंधक (निगमित योजना)
sroy@gail.co.in

गेल (इंडिया) लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालय :
16, भीकाएजी कामा प्लेस,
आर. के. पुरम, नई दिल्ली–110066
वेबसाइट: gailonline.com
gailvoice.com **पर हमें फॉलो करें**

Designed by: National Advertising Agency